भजन

तर्ज–वो जब याद आय

प्राणनाथ प्यारे, श्री जी हमारे
हमें साथ ले के वतन चलोगे
आस में इन्तजारे वक्त गुजारे

1–हमने जाना धनी खेल है खूबतर
समझे ना भूलेंगे धाम जासी बिसर
माया में आ के धाम दुल्हा ने
कदम कदम पर सदमे उठाये

2–हो दुखी आप भी है परेशान हम
राहें गम पर चलें कब तलक आप हम
लाड हमारे पालने वाले
जागनी रूहों की कर कर हारे

3–क्यों जगाते नही अर्श में अब हमें
क्यों बुलाते नही इश्क दे के हमे
किसकी खातिर खेल रूका है
तड़प तड़प कर आतम पुकारे